# Jamia Millia Islamia

# (CDOE)

# कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन (Programme Project Report)

## एम.ए. हिन्दी (MA Hindi)

### दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र (CDOE)

### जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली - 110025

---

**1. कार्यक्रम का मिशन एवं उद्देश्य**

**मिशन**

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा संचालित एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा, साहित्य, आलोचना तथा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के व्यापक अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक, आलोचनात्मक एवं शोधपरक दृष्टि का विकास करना है। कार्यक्रम का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समावेशी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराते हुए विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विविध आयामों से परिचित कराना है।

**उद्देश्य**

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य का गहन एवं व्यवस्थित ज्ञान प्रदान करना।

- विद्यार्थियों में साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं भाषिक संवेदनशीलता विकसित करना।
- आलोचनात्मक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं शोध कौशल का विकास करना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यिक सिद्धांतों की समझ विकसित करना।
- हिन्दी भाषा के इतिहास, विकास एवं समकालीन स्वरूप का अध्ययन कराना।
- विद्यार्थियों को अध्यापन, शोध, पत्रकारिता, अनुवाद, प्रकाशन एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में रोजगारोन्मुख बनाना।
- भारतीय ज्ञान परंपरा, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सांस्कृतिक बहुलता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

---

**2. विश्वविद्यालय के मिशन एवं उद्देश्यों के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता**

एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समावेशी, लोकतांत्रिक एवं ज्ञान-केंद्रित शैक्षिक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

- यह कार्यक्रम दूरस्थ एवं ऑनलाइन माध्यम से उच्च शिक्षा तक व्यापक पहुँच सुनिश्चित करता है।
- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के अध्ययन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, समाज और बौद्धिक परंपराओं की समझ विकसित करता है।
- यह आजीवन अधिगम एवं ज्ञान के लोकतंत्रीकरण को बढ़ावा देता है।
- कार्यक्रम सामाजिक समावेशन, भाषाई विविधता तथा राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को सुदृढ़ करता है।
- यह शिक्षार्थियों को शोध, अध्यापन एवं ज्ञान-आधारित व्यवसायों के लिए तैयार करता है।

---

### 3. संभावित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति

यह कार्यक्रम निम्नलिखित शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है–

- हिन्दी विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त विद्यार्थी।
- विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यापन कार्य से जुड़े व्यक्ति।
- शोध एवं उच्च अध्ययन में रुचि रखने वाले शिक्षार्थी।
- पत्रकारिता, अनुवाद, प्रकाशन एवं मीडिया क्षेत्र से जुड़े पेशेवर।
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थी।
- महिला शिक्षार्थी एवं कार्यरत पेशेवर।
- सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के विद्यार्थी।

---

### 4. ODL/ऑनलाइन माध्यम के लिए कार्यक्रम की उपयुक्तता

एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम अपनी सैद्धांतिक, विश्लेषणात्मक एवं पाठ-आधारित प्रकृति के कारण मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम प्रणाली के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

- स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से साहित्यिक ग्रंथों एवं सिद्धांतों का प्रभावी अध्ययन संभव है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्याख्यान, चर्चा एवं शैक्षणिक संवाद संचालित किए जा सकते हैं।
- कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी गति से अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है।
- ऑनलाइन संसाधन साहित्यिक एवं भाषिक अध्ययन को समृद्ध बनाते हैं।
- सतत मूल्यांकन एवं असाइनमेंट आधारित अधिगम विद्यार्थियों की समझ को

मजबूत करते हैं।

---

## 5. शिक्षण-अधिगम अभिकल्प (Instructional Design)

कार्यक्रम का शिक्षण-अधिगम अभिकल्प स्व-अध्ययन, संवादात्मक अधिगम तथा सतत मूल्यांकन पर आधारित है।

### (i) स्व-अध्ययन सामग्री (SLM)

प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए इकाई-आधारित स्व-अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

### (ii) ई-सामग्री

ई-पुस्तकें, वीडियो व्याख्यान, पीडीएफ नोट्स तथा अन्य डिजिटल संसाधन LMS पर उपलब्ध होंगे।

### (iii) परामर्श सत्र

ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष दोनों प्रकार के शैक्षणिक परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे।

### (iv) असाइनमेंट

सतत मूल्यांकन हेतु पाठ्यक्रम आधारित असाइनमेंट एवं गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

### (v) LMS सहायता

विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री, घोषणाएँ, चर्चा मंच एवं मूल्यांकन सुविधाएँ LMS के माध्यम से उपलब्ध होंगी।

### (vi) परीक्षा प्रणाली

विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सतत मूल्यांकन एवं सत्रांत परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

# 1. पाठ्यक्रम के विषय में

**1.1 प्रस्तावना**

विधार्थियों की विविध प्रकार की आवश्यकताओ को ध्यान में रखते हुए हमने एम.ए. कार्यक्रम द्वारा रचनात्मक एव आलोचनात्मक क्षमताओ तथा कौशलो का विकास करने को अध्ययन का आधार बनाया है। एम. ए. हिन्दी का उद्देश्य विधार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य की विस्तृत एव ठोस जानकारी उपलब्ध कराना है, साथ ही वे साहित्य के आस्वादन और विश्लेषण - मूल्यांकन की अपनी क्षमता का विकास भी कर सकेंगें । हमारा प्रयत्न यह भी है की विधार्थी अपनी रूचि के विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता के भी प्राप्त करे

जो उसके लिए ज्ञान एवं रोज़गार दोनों का मार्ग प्रशस्त करेगा । विशेषज्ञता के ऐसे क्षेत्र विधार्थियों को विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे जिनकी जानकारी आगे दी गई है।

**1.2 कार्यक्रम की अवधि**

एम. ए. (हिन्दी) कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अवधि

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि : 4 छमाही (अर्द्धवार्षिक) / 2 वर्ष

कार्यक्रम की अधिकतम अवधि : 8 छमाही (अर्द्धवार्षिक ) / 4 वर्ष

**1.3 निर्देश की भाषा**

हिन्दी

**1.4 कार्यक्रम का शुल्क**

प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारम्भ में ₹11,000 प्रति वर्ष (दो छमाही / अर्धवार्षिक) का अग्रिम भुगतान किया जाना होगा ।

## 1.5 पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना

इस शैक्षिक कार्यक्रम की संरचना चार स्तरीय होगी। प्रत्येक स्तर में अनिवार्य पाठ्यक्रम सम्मिलित है। प्रत्येक के लिए 500 अंक निर्धारित किए गए हैं। पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना का विवरण इस प्रकार है :-

**सत्र-1**

| क्रम संख्या | पाठ्यक्रम कोड | पाठ्यक्रम का शीर्षक | सी.बी.सी.एस. | क्रेडिट | अक विवरण | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | सत्रात परीक्षा | सत्रीय कार्य | पूर्णांक |
| 1 | DMLH-101 | हिंदी साहित्य का इतिहास | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 2 | DMLH-102 | मध्यकाल -I | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 3 | DMLH-103 | मध्यकाल -II | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 4 | DMLH-104 | वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) जायसी (ख) तुलसीदास (ग) घनानन्द (घ) कबीर* | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| | | | DMLHX-11 **समकालीन कथा साहित्य | 4 | 75 | 25 | 100 |
| **कुल अंक** | | | | **20** | **375** | **125** | **500** |

***पाठ्यक्रम प्रबंधन कायरत है।***

****पाठ्यक्रम पररवतयन की सम्भावना है।***

**सत्र-2**

| क्रम संख्या | पाठ्यक्रम कोड | पाठ्यक्रम का शीर्षक | सी.बी.सी.एस. | क्रेडिट | अ क शववरण | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | सत्रात परीक्षा | सत्रीय कार्य | पूर्णांक |
| 1 | DMLH-201 | भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 2 | DMLH-202 | हिंदी भाषा का इतिहास | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 3 | DMLH-203 | आधुनिक कविता -I | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 4 | DMLH-204 | वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) भारतेंदु हरिश्चंद्र * (ख)जय | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | शंकर प्रसाद<br>(ग) निराला<br>(घ) महादेवी वर्मा | DMLHX-21<br>**आधुनिक कविता | 4 | 75 | 25 | 100 |
| कुल अंक | | | | 20 | 375 | 125 | 500 |

****पाठ्यक्रम प्रबंधन कायरत है।***

*****पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।***

**सत्र-3**

| क्रम संख्या | पाठ्यक्रम कोड | पाठ्यक्रम का शीर्षक | सी.बी.सी.एस. | क्रेडिट | अक विवरण | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | सरात परीक्षा | सरीर कार्य | पणाूंक |
| 1 | DMLH-301 | नाटक और रगमच | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 2 | DMLH-302 | आधुनिक कविता -II | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 3 | DMLH-303 | हिन्दी कहानी | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 4 | DMLH-304 | वैकल्पिक पाठ्यक्रम<br>(क)फणींश्वरनाथ रेणु<br>(ख) अज्ञेय | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| | | (ग) हबीब तनवीर*<br>(घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी | DMLHX-31<br>**गद्य शवधाए | 4 | 75 | 25 | 100 |
| कुल अंक | | | | 20 | 375 | 125 | 500 |

****पाठ्यक्रम प्रबंधन कायरत है।***

*****पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।***

**सत्र-4**

| क्रम संख्या | पाठ्यक्रम कोड | पाठ्यक्रम का शीर्षक | सी.बी.सी.ए स. | क्रेडिट | अ क शववरण | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | सत्रांस परीक्षा | सत्रीय कार्य | पूर्णांक |
| 1 | DMLH-401 | हिन्दी आलोचना | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 2 | DMLH-402 | कथेतर गद्य | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 3 | DMLH-403 | हिन्दी उपन्यास | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| 4 | DMLH-404 | वैकल्पिक पाठ्यक्रम<br>(क) भारतीय साहित्य<br>(ख) स स्कृत साहित्य<br>**(ख)** उर्दू साहित्य<br>(घ) लोक साहित्य* | | 4 | 75 | 25 | 100 |
| | | | DMLHX-41<br>**नाटक एवं रंगमंच | 4 | 75 | 25 | 100 |
| **कुल अंक** | | | | **20** | **375** | **125** | **500** |

***पाठ्यक्रम प्रबंधन कायरत है।***

****पाठ्यक्रम पररवतयन की सम्भावना है***

# शिक्षण-अधिगम विधियाँ (Teaching-Learning Methods)

- स्व-अध्ययन सामग्री (Self-Learning Materials - SLMs)
- ऑनलाइन व्याख्यान एवं वेबिनार
- वीडियो ट्यूटोरियल एवं रिकॉर्डेड व्याख्यान
- असाइनमेंट

# अधिगम प्रबंधन प्रणाली (Learning Management System - LMS)

- विषय-वस्तु के वितरण हेतु केंद्रीय मंच के रूप में गूगल क्लासरूम
- छात्र-शिक्षक अंतःक्रिया
- असाइनमेंट का प्रस्तुतिकरण एवं मूल्यांकन

## क्रेडिट प्रणाली (Credit System)

- यूजीसी (UGC) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

## छात्र सहायता (Student Support)

- शैक्षणिक परामर्श सत्र
- मेंटरिंग एवं शंका समाधान सत्र
- डिजिटल पुस्तकालय एवं ई-संसाधन

# 6. प्रवेश, पाठ्यक्रम संचालन एवं मूल्यांकन

### प्रवेश नीति (Admission Policy)

- न्यूनतम पात्रता: स्नातक (Graduation)
- विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार मेरिट आधारित प्रवेश
- भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार आरक्षण नीति
- पारदर्शी शुल्क संरचना

### पाठ्यक्रम संचालन (Curriculum Transaction)

- एलएमएस (LMS), मुद्रित अध्ययन सामग्री तथा ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से शिक्षण
- व्यवस्थित अध्ययन हेतु शैक्षणिक कैलेंडर
- शिक्षार्थियों एवं संकाय सदस्यों के बीच नियमित संवाद

### मूल्यांकन प्रणाली (Evaluation System)

- आंतरिक मूल्यांकन: असाइनमेंट
- विश्वविद्यालय परीक्षा (University Examination - UE)
- जहाँ लागू हो, परियोजना (प्रोजेक्ट) का मूल्यांकन
- विश्वविद्यालय के मानकों के अनुसार ग्रेडिंग प्रणाली

# 7. पुस्तकालय संसाधन (Library Resources)

- सीडीओई (CDOE) पुस्तकालय (जर्नल एवं पुस्तकें)
- मुद्रित एवं डिजिटल प्रारूप में अध्ययन सामग्री

## 8. कार्यक्रम की लागत का अनुमान (Cost Estimate of the Programme)

कार्यक्रम की वित्तीय संरचना में निम्नलिखित मदें सम्मिलित हैं–

- पाठ्यक्रम एवं अध्ययन सामग्री विकास की लागत
- एलएमएस (LMS) के विकास एवं रखरखाव की लागत
- संकाय सदस्यों एवं शैक्षणिक परामर्शदाताओं का पारिश्रमिक
- छात्र सहायता सेवाओं की लागत
- परीक्षा एवं मूल्यांकन की लागत
- प्रशासनिक एवं संचालन व्यय

यह कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करते हुए लागत-प्रभावी (Cost-effective) रूप में संचालित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

## कार्यक्रम की अवधि (Duration of the Programme)

**न्यूनतम अवधि:**

- 4 (चार) सेमेस्टर / 2 (दो) वर्ष

**अधिकतम अवधि:**

- 8 (आठ) सेमेस्टर / 4 (चार) वर्ष

## शिक्षण का माध्यम (Medium of Instruction)

**हिन्दी**

## कार्यक्रम शुल्क (Programme Fee)

**₹11,000/- प्रति वर्ष**, जो प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारम्भ में अग्रिम रूप से देय होगा।

## 9. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र एवं अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम

### गुणवत्ता आश्वासन तंत्र (Quality Assurance Mechanism)

- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा नियमित निगरानी

- पाठ्यक्रम की समय-समय पर समीक्षा एवं अद्यतन
- शिक्षार्थियों एवं संकाय सदस्यों से प्राप्त प्रतिपुष्टि (Feedback)
- अध्ययन सामग्री एवं शिक्षण-वितरण पद्धतियों में निरंतर सुधार
- यूजीसी-डीईबी (UGC-DEB) के नियमों एवं विनियमों का अनुपालन

## अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम (Expected Programme Outcomes)

कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात शिक्षार्थी–

- गहन पठन (Close Reading), बोध (Comprehension) एवं व्याख्या (Interpretation) के कौशल अर्जित करेंगे, जिससे वे पठन का आनंद लेने एवं उसकी सराहना करने में सक्षम होंगे।
- भाषा एवं संप्रेषण की गहन समझ विकसित करने हेतु समालोचनात्मक विश्लेषण एवं मूल्यांकन (Critical Analysis and Evaluation) की क्षमता विकसित करेंगे।
- वैश्वीकृत युग में एक विश्वनागरिक समाज के लिए आवश्यक नैतिकता, मूल्यों, संवेदनशीलता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करेंगे।
- मौखिक एवं लिखित दोनों माध्यमों में स्पष्ट, प्रभावी एवं सशक्त संप्रेषण करने में सक्षम होंगे।
- रचनात्मक कल्पनाशक्ति तथा ज्ञान एवं आजीवन अधिगम के प्रति गहरी अभिरुचि विकसित करेंगे।
- भाषा, साहित्य एवं सौंदर्यशास्त्र के अध्ययन के साथ-साथ साहित्य एवं संस्कृति की अवधारणाओं पर दार्शनिक एवं सैद्धांतिक चिंतन को इतिहास, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, दृश्य संस्कृति एवं सिनेमा अध्ययन जैसे विषयों से जोड़कर समाज एवं संस्कृति के बदलते संबंधों की समग्र समझ विकसित करेंगे।
- यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को कला, विधि (Law), पत्रकारिता, विपणन (Marketing), विज्ञापन (Advertising) तथा शिक्षा (Education) जैसे क्षेत्रों में सफल करियर के लिए तैयार करेगा, जहाँ भाषाई शुद्धता एवं प्रभावी, प्रेरक संप्रेषण कौशल की आवश्यकता होती है।